कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष 62 अंक-2 मुंबई जनवरी 2018

आयोग एवं राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्षों तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ "खादी मंथन" बैठक

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 62 अंक-2 मुंबई जनवरी 2018

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

सम्पादक
के. एस. राव

उप सम्पादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक
सरस्वती खनका

वरिष्ठ कलाकार
संजय एस. सोमदे

कलाकार
चंद्रशेखर पुनवटकर,
दिलीप पालकर

के. सुब्बाराव, द्वारा प्रचार, फिल्म एवं
लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
ग्रामोदय,3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुम्बई - 400 056 के लिए प्रकाशित
टेलिफैक्स: 022-26719465
ई-मेल: jagritikvic@gmail.com वेबसाईट: www.kvic.org.in

प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056 में प्रकाशित

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा व्यक्त विचारों से
खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा सम्पादक सहमत हों।

KVIC or of the Editor.

इस अंक में...

समाचार सार 3 से 27

खादी के विस्तृत विकास हेतु एक समर्पित भावना की आवश्यकता है - सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री........

आयोग के अध्यक्ष द्वारा बागपत में खादी इंडिया शोरूम का उद्‌घाटन........

स्वच्छता पुरस्कार-2017........

स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु आयोग ने स्वच्छता अभियान के तहत छात्रों को शामिल किया........

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा स्वच्छता मिशन तहत एक क्लस्टर गोद लेने का सुझाव........

आयोग द्वारा एमसीजीएम के सहयोग से "स्वच्छता अभियान" का आयोजन........

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्री द्वारा कॉयर बोर्ड एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग के योजनाओं की समीक्षा........

आयोग, खादी हाट और एक आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में इस केंद्र को विकसित करेगा........

खादी भवन ने आगंतुकों के साथ मनाया क्रिसमस ....

खादी संस्थाओं के पदाधिकारियों के लिए "न्यू ईयर बोनन्ज़ा"........

भंडारा में अपने पंख फैलता-शहद मिशन........

जम्मू में खादी संस्थाओं द्वारा गाँवों को गोद लेने पर ज़ोर........

स्वच्छता अभियान में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित........

केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में डॉ. बी. आर. अंबेडकर की पुण्यतिथि मनायी गयी ....

राष्ट्रीय समन्वय समिति की तीसरी बैठक ....

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियाँ............28 से 33

जागृति की ओर से सभी पाठकों को नववर्ष की शुभकामानाएं.........

"खादी मंथन" बैठक

खादी के विस्तृत विकास हेतु एक समर्पित भावना की आवश्यकता है - सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

गुरुग्राम, 5 दिसंबर, 2017: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि खादी के व्यापक विकास को सुनिश्चित करने के लिए समर्पण भावना का होना जरुरी है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्डों के अध्यक्ष/मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं आयोग के राज्य निदेशकों की दो दिवसीय कार्यशाला, जोकि लगभग 10 वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित हुई है, “खादी मंथन” के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि खादी को खादी की सबसे बड़ी खासियत का समर्थन है जो हमारे प्रधान मंत्री के अलावा अन्य कोई नहीं है जो कारीगरों की खातिर कम से कम एक खादी की वस्तु की खरीदी करने के लिए अपनी मन की बात के हर रेडियो कार्यक्रम में लोगों से अपील करते हैं।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग एवं खादी और ग्रामोद्योग मंडल को ग्रामीण रोजगार सृजन का सबसे बड़ा प्लेटफोर्म बताते हुए उन्होंने कहा कि इसमें प्रत्येक वर्ष कम से कम ४ लाख रोजगार सृजित करने की क्षमता है जो अगले दो सालों में कई गुना बढ़ सकता है। उन्होंने खादी के व्यापक विकास के लिए तकनीकी हस्तक्षेप पर भी जोर

दिया और कहा कि "यहां तक कि महात्मा गांधी जी भी इसके खिलाफ नहीं थे।" उन्होंने आगे बताया कि अगर चरखे का पारंपरिक रूप कुछ आठ दशक पहले राष्ट्र के लिए आजादी ला सकता है, तो सौर चरखा और आठ तकुआ चरखा निश्चित रूप से आर्थिक परिवर्तन ला सकते हैं। यह वास्तव में चिंता का विषय है कि खादी विकास के लक्ष्य के लिए हमारे पास उचित मानचित्र नहीं है।"

चरखा और उत्पादन के खादी सुधार विकास कार्यक्रम के माध्यम से गांवों को पूर्ण रोजगार प्रदान करने का समर्थन करते हुए श्री सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा सहायता प्राप्त 70 वर्ष पुराने मॉडल व्यवस्था को छोड़ने का अब समय आ गया है। उन्होंने कहा, "हमें स्व-स्थायी मॉडल विकसित करने तथा उद्यमियों के विकास के लिए उन्मुख और उद्यमशीलता मॉडल विकसित करने की जरूरत है।"

इससे पूर्व, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जोरदार समर्थन देने के कारण, खादी ने हाल ही के दिनों में फैशन से आर्थिक

परिवर्तन में एक छलांग लगायी है। खादी की गतिशील वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभागियों से खादी की खरीदी में वृद्धि की अपील करते हुए श्री सक्सेना ने कहा कि कॉर्पोरेट घरों को आकर्षित करने के लिए - नवीनतम डिजाइन हस्तक्षेप किया जा सकता है। "हम अपने कारीगरों की आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध हैं इसके लिए, हमें 'खादी' को बचाने की जरूरत है जो भारत का गहना है और विरासत है।' इस प्रकार हमें, हमारे कारीगरों को आर्थिक रूप से स्वंतत्र बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें खादी की बिक्री बढ़ाने की जरुरत है जो भारतीय सांस्कृतिक विरासत की एक धरोहर है और इसके लिए हमें कारीगरों के मजदूरी में वृद्धि करने की जरुरत है जो हमारे खादी क्षेत्र के केंद्रबिंदु अर्थात रीढ़ हैं। केवल विस्तारित और व्यापक मार्केटिंग से ही उनके आर्थिक जीवन को सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा," बेहतर और उत्कृष्ट खादी फैब्रिक के लिए हमने पहले ही एक तकुआ चरखे को छह और आठ तकुआ चरखा में विकसित कर लिया है।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि प्रधान मंत्री के मधु क्रांति लाने की अपील को गंभीरता से लेते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मार्च 2017 तक देश भर में कम से कम एक लाख मधुमक्खी बक्सों को वितरित करने का लक्ष्य रखा है। "यह न केवल ग्रामीण लोगों के लिए बेहतर रोजगार के अवसर सुनिश्चित करेगा बल्कि इसके आसपास के क्षेत्रों में भी विभिन्न फसलों की पैदावार में वृद्धि होगी।" उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों को बढ़ावा देने और उन्हें प्रशिक्षण-सह-उत्पादन केंद्रों में बदलने

की भी इच्छा व्यक्त की।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सचिव श्री अरुण कुमार पांडा ने कामकाज और निवारण परिवर्तन के तरीके में प्रतिमान बदलाव लाने का आह्वान किया। कारीगरों के जीवन को बदलने के लिए सभी राज्यों और क्षेत्रीय कार्यालयों का एक मकसद होना चाहिए और उन्हें परिणाम देने के लिए सहायता करनी चाहिए। उन्होंने बिक्री बढ़ाने के लिए उचित विपणन रणनीति पर जोर दिया और खादी का इस्तेमाल करने के लिए युवा वर्ग को लक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि इसे आत्मनिर्भर मॉडल का एक उदाहरण स्थापित करने और खादी के तहत 20,000 करोड़ रु. का कारोबार हासिल करने का समय है ।

अब खादी को अपनी सीमाओं से परे ले जाने का समय है । विपणन रणनीति, खादी उत्पादों को अपने यूएसपी के साथ परंपरागत शैली में हाथ कत्ते और हाथ बुने उत्पादन के साथ आगे बढ़ाना है जोकि अद्वितीय है और दूसरे से इसे अलग बनाती है।

सहभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने कहा कि यह दो दिवसीय सम्मेलन वास्तविक अर्थ में सार्थक है और विजन 2020 खादी को बढ़ावा देने में सहायक होगा। उन्होंने प्रधान मंत्री के निरंतर समर्थन को दोहराया और खादी के रूप में बदलने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष के निरंतर प्रयासों को भी सविस्तार से बताया।

आयोग के अध्यक्ष द्वारा बागपत में खादी इंडिया शोरूम का उदघाटन

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने **03 दिसंबर 2017** को श्री बालाजी खादी ग्रामोद्योग समिति, बढ़ौत, जिला- बागपत, उ.प्र. द्वारा संचालित खादी इंडिया शोरूम का उद्घाटन किया।

आयोग के सदस्य, मध्य क्षेत्र श्री जय प्रकाश तोमर भी इस खादी इंडिया शोरूम के उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। इस आधुनिक खादी भारत शोरूम का खुलना, एक छोटे शहर में अच्छी शुरुआत है।

स्वच्छ भारत
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता पुरस्कार-2017

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री गिरिराज सिंह ने 15 दिसंबर, 2017 को नई दिल्ली में एक समारोह में स्वच्छता पुरस्कार 2017 प्रदान किये। इस अवसर पर पुरस्कार समारोह में सचिव, एमएसएमई डॉ. अरुण कुमार पांडा; सचिव, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय श्री परमेशवर अय्यर; संयुक्त सचिव, एमएसएमई श्री बी.एच. अनिलकुमार भी उपस्थित थे। आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दक्षिण क्षेत्र श्री जी. गुरूप्रसन्ना और राज्य कार्यालय, अंबाला के निदेशक, डॉ वी.के. नागर को वर्ष 2017 के लिए स्वच्छता पुरस्कार प्रदान किया गया।

स्वच्छता अभियान में आयोग ने कॉस्मोपॉलिटन सोसायटी के छात्रों को भी शामिल किया है।

स्वच्छ भारत

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

KVIC Cleanliness Drive

स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु आयोग ने स्वच्छता अभियान के तहत छात्रों को शामिल किया

ग्रामोदय, 21 दिसंबर 2017: खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्यालय परिसर में कॉस्मोपॉलिटन सोसायटी के छात्रों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोग ने पहली बार खादी और स्वच्छता अभियान पर जागरूकता पैदा करने के लिए 'राष्ट्र का भविष्य'-छात्रों को इस अभियान में शामिल किया है।

छात्रों को संबोधित करते हुए आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि चूंकि बच्चे परिवार के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से हैं, और वे परिवार से ही अनुशासन

को अपनाते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इसीलिए माननीय प्रधान मंत्री ने स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु स्वच्छ राष्ट्र अभियान में बच्चों को शामिल किया है। उन्होंने छात्रों से कहा कि "इसे आपको अपने जीवन के हिस्से के रूप में अपनाना है और न कि स्लोगन अथवा सार्वजनिक शो के रूप में"।

उन्होंने विद्यार्थियों से स्वच्छता की तरह खादी को अपनाने का भी आग्रह किया, जो पर्यावरण मित्रता का एक अपरिहार्य तत्व है।

इससे पूर्व, आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने बच्चों को जीवन का पहला और सबसे महत्वपूर्ण सबक समझाते हुए कहा कि स्वस्थ और स्वच्छ शरीर होना आवश्यक है। इसका पहला कदम स्वच्छता है यानि गुण निरोगी काया होना। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए उसके प्रति एक सकारात्मक सोच ही उस कार्य का एक व्यापक शुभारंभ होता है। वही नियम यहां भी लागू होता है।

कॉस्मोपॉलिटन स्कूल के श्री अजीत बालन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि खादी जैसे प्रतिष्ठित संगठनों से जुड़ना उनके संगठन और छात्रों के लिए एक सम्मान की बात है।

इससे पहले, आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रशासन श्री किशोर राव ने गांधीजी की शिक्षाओं का स्मरण करते हुए बच्चों से गाँधी द्वारा बताये

सच्चाई, कड़ी मेहनत और समर्पण और राष्ट्र के प्रति समर्पण के सिद्धांतों को अपनाने के लिए कहा और इसके लिए स्वच्छता का मार्ग ही जीवन का पहला सबक है।

इस अवसर पर उपस्थित छात्रों द्वारा निजी जीवन में और स्वच्छता में अनुशासन बनाए रखने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का भी प्रदर्शन किया गया।

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा

स्वच्छता मिशन के तहत एक क्लस्टर गोद लेने का सुझाव

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों का पालन करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 1 दिसंबर से 15 दिसंबर 2017 तक स्वच्छता पखवाड़े की शुरुआत की है जिसका शुभारम्भ विले पार्ले, मुंबई स्थित आयोग के मुख्यालय में स्वच्छता की शपथ एवं वृक्षारोपण कर किया गया।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग की नव नियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा, जिन्होंने 20 नवंबर, 2017 को आयोग का प्रभार संभाला है, ने कहा शीघ्र ही किसी गाँव या क्लस्टर का चुनाव कर स्वच्छता मिशन के लिए उसे गोद लिया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि हम स्वयं को विकसित देशों में शामिल देखना चाहते हैं तो हमें स्वच्छता के इस सन्देश को केवल स्वयं के जीवन तक न रखकर अपने परिवार, मोहल्ले व कार्यस्थल तक प्रसारित करना होगा। उन्होंने मुंबई के वर्सोवा बीच में पेशे से वकील अफरोज शाह, जिन्होंने वर्सोवा बीच को अकेले ही साफ़ करने का काम शुरू किया,का उदाहरण देते हुए कहा कि "अकेला ही चला था मैं लोग मिलते गए और करवा बनता गया।"

आयोग की वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश ने कार्यालय में ई-ऑफिस की शुरुआत की सराहना करते हुए कहा कि इससे कार्यालयीन काम में कम से कम कागजों का उपयोग होगा। उन्होंने कार्यालय, कार्यस्थल, घरों में सफाई रखने की बात दोहराई।

उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री किशोर राव ने केन्द्रीय और राज्य कार्यालयों में इस अभियान के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा विशेष रूप से आवंटित बजट के बारे में जानकारी दी।

स्वच्छ भारत

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

KVIC Cleanliness Drive

स्वच्छ भारत

आयोग द्वारा एमसीजीएम के सहयोग से ''स्वच्छता अभियान'' का आयोजन

मुंबई, 15.12.2017: प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान और एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों का अनुसरण करते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 01.12.2017 से 15.12.2017 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" मनाया।

इस अभियान के तहत 15.12.2017 को आयोग ने ग्रेटर मुंबई (एमसीजीएम) के सहयोग से विले पार्ले (पश्चिम) रेलवे स्टेशन के सामने बाज़ार सड़क पर एक "सफाई अभियान" का आयोजन किया। केवीआईसी के इस अभियान का उद्देश्य शहर की सड़कों, गलियों को साफ करना तथा कर्मचारियों और आम लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना है।

ग्रेटर मुंबई (एमसीजीएम) के सफाई कर्मियों के साथ केवीआईसी के बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस "सफाई अभियान" में भाग लिया। केवीआईसी के सभी कर्मचारी सड़कों पर झाड़ू लेकर कचरे को साफ़ कर रहे थे।

इससे पहले, केवीआईसी ने पूरे देश में अपने केन्द्रीय और राज्य कार्यालयों में इस पखवाड़े के दौरान कार्यशालाओं सहित "स्वच्छता अभियान" को संगठित करने के लिए कई पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान एक विशाल आंदोलन है जो स्वच्छ भारत बनाने की कोशिश करता है और यह भारत सरकार द्वारा चलाया गया सबसे महत्वपूर्ण सफाई अभियान है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री द्वारा कॉयर बोर्ड एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग के योजनाओं की समीक्षा

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 2017: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने राजधानी नई दिल्ली में कॉयर बोर्ड एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कार्यक्रम/योजनाओं की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में आयोग और बोर्ड के अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सचिव श्री अरुण कुमार पांडा भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ने कॉयर बोर्ड के वर्ष 2018 के नए कैलेंडर का भी लोकार्पण किया।

श्री सिंह ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के माध्यम से इस समीक्षा बैठक के बारे में जानकारी दी।

यह बैठक, आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड सम्मेलन-खादी मंथन के आयोजन के बाद आयोजित की गई है। इस सम्मेलन में विभिन्न राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्डों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने भी भाग लिया था।

एमएसएमई मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 25 दिसम्बर, 2017 को लुधियाना शहद क्लस्टर का दौरा किया था, जो मधु क्रांति और शहद मिशन में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है।

इस अवसर पर मंत्री महोदय ने कहा, हम इसे आगे व्यापक स्तर पर ले जा रहे हैं।

खादी की आत्मा-महिला कारीगर: 25 दिसम्बर, 2017 को आयोजित एक प्रोत्साहन कार्यक्रम में एमएसएमई सचिव, डॉ. अरुण कुमार पांडा ने खानवां गांव की महिला कारीगरों द्वारा किये गए सरहानीय कार्यों की प्रशंसा की तथा उन्हें सम्मानित किया।

सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, बोरीवली में 15 दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन

आयोग, खादी हाट और एक आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में इस केंद्र को विकसित करेगा

- श्री विनय कुमार सक्सेना

20 दिसम्बर, 2017 बोरीवली, मुम्बई: आयोग के मुंबई स्थित सी. बी. कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, बोरीवली में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की 15 दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि यह कारीगरों को अपने उत्पादों की बिक्री करने के लिए प्रदर्शनी का एक मंच हैं, जो न केवल कारीगरों को आत्म-निर्भर बनाता है बल्कि उत्पादों की छवि निर्माण करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाता है।

प्रधान मंत्री के उद्बोधन की सराहना करते हुए श्री सक्सेना ने कहा कि "गांधीजी के बाद हमारे प्रधान मंत्री एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो खादी और कारीगरों के बारे में निरंतर बोलते रहते हैं और उन्हें बढ़ावा देते हैं।

आयोग के अध्यक्ष ने खादी प्रेमियों के लिए बोरीवली के शांतप्रिय क्षेत्र में खादी हाट खोलने के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किये। चूंकि सी.बी. कोरा केंद्र खादी और ग्रामोद्योग आयोग का एक विभागीय केंद्र है, उन्होंने इस सम्बन्ध में आगे कहा कि नौकरी उन्मुख क्षेत्रों में व्यापक प्रशिक्षण के माध्यम से स्वयं रोजगार पैदा करने से न केवल लोग लाभान्वित होगे बल्कि उन्हें समाज का भी

समर्थन भी मिलेगा । उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित व्यापक श्रेणी और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की भी सराहना की।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने कहा कि विगत दो वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मार्केटिंग और ब्रांडिंग के क्षेत्र में बहुत सराहनीय काम किया है और अब इसको प्रदर्शित करने का समय है।

इससे पूर्व, आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के.एस. राव ने प्रदर्शनी के लाभों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का एक डेटा बेस बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बेहतर विपणन और बिक्री के लिए क्रेता-विक्रेता की आवश्यकता पर भी बल दिया। श्री राव ने खादी कोर्नर खोलने हेतु ग्लोबस और कॉटन बाजार से अनुमति मिलने के बारे में भी जानकारी दी।

तत्पश्चात, श्री एस.जी. हेडाऊ ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए प्रदर्शनी में प्रदर्शित उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

महाराष्ट्र, जम्मू और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से लगभग 75 खादी और ग्रामोद्योग संस्थाओं ने अपने विभिन्न लेदर उत्पादों, बेंत और बांस की वस्तुओं, सूखे फल, मेवे, हर्बल सामग्रियां और सजावटी उत्पादों के साथ प्रदर्शनी में भाग लिया।

खादी भवन ने आगंतुकों के साथ मनाया क्रिसमस

नई दिल्लीःखादी ग्रामोद्योग भवन - नई दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया आउटलेट में ईसा मसीह के सहिष्णुता और पवित्रता के पाठ के प्रति आत्मनिर्भरता के गांधीवादी दर्शन के बीच समन्वय का कुछ ऐसा स्वर बंधा, जब बहुत जिंगल, उत्साह और प्रसन्नता के बीच 25 दिसम्बर, 2017 को क्रिसमस डे मनाया गया। संयोग से, यह पहला अवसर था, जब खादी भवन के कर्मचारियों ने लाल क्रिसमस टोपी पहनकर आगंतुकों के साथ क्रिसमस मनाने का फैसला किया।

खादी इंडिया आउटलेट ने 'क्रिसमस ट्री' को सितारों और जिंगल के साथ आउटलेट में लगाया और वहां हर आगंतुक के साथ टाफियां और चॉकलेट वितरित की गयी। हाथों से बुने और हाथों से कते बहुत से उत्पाद जो विशेष रूप से क्रिसमस उत्सव को मनाने के उद्देश्य से इस अवसर पर प्रदर्शित किये गये थे। दिलचस्प बात यह है कि कई सालों से कनॉट प्लेस को नई दिल्ली का दिल माना जाता है और कनॉट प्लेस का जिसे केंद्र समझा जाता है वह खादी भवन है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, जिन्होंने कर्मचारियों और ग्राहकों के साथ क्रिसमस मनाते हुए इस उत्सव के बारे में बात करते हुए, कहा कि इस दिन यीशु के जन्म को दर्शाते हुए प्रेम के इस सार्वभौमिक संदेश को फैलाया जाता है, खादी भवन ने क्रिसमस मनाते हुए बलिदान और करुणा के साथ इस दिन सभी का स्वागत किया है। श्री सक्सेना ने कहा, "चूंकि आधुनिक समय में सादगी और ईमानदारी का नाम यह खादी है, यह निश्चित रूप से हमारे समाज के भाईचारे को नया पैगाम देगा।" बहुत से ग्राहकों ने केवीआईसी द्वारा इस नए प्रयास की सराहना की।

दूसरी ओर, चरखा संग्रहालय हाल ही में कनॉट प्लेस के एक प्रसिद्ध स्मारक के रूप में उभरा है। क्रिसमस डे पर इस चरखा संग्रहालय और सबसे बड़ा स्टील चरखे ने भी आगंतुकों की भारी संख्या में उपस्थिति दर्ज की है।

खादी संस्थाओं के पदाधिकारियों के लिए "न्यू ईयर बोनन्ज़ा"

नई दिल्ली: 'सर्वश्रेष्ठ पाने हेतु अपना सर्वश्रेष्ठ दे' कॉर्पोरेट दिग्गजों के इस सफलता मंत्र पर अमल करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अपनी 1956 में स्थापना के बाद एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जी हां, खादी संस्थाओं के कार्यालय पदाधिकारी अर्थात सचिवों और अध्यक्षों का निम्नतम पारिश्रमिक होने के कारण इन संस्थाओं के निम्नतम लाभ को गंभीरता से लिया। इस सम्बन्ध में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 1 जनवरी, 2018 से प्रत्येक खादी संस्था के कुल लाभ/बिक्री निष्पादन के आधार पर उनके वेतन /पारिश्रमिक में वृद्धि करने का निर्णय लिया है । इससे उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत ही नहीं किया जा सकेगा, बल्कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए अच्छा पारिश्रमिक प्राप्त के लिए भी प्रेरित करेगा ।

यह जानकारी देते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि वर्तमान में कुछ खादी संस्थाओं को छोड़कर उनमें से ज्यादातर अपने पदाधिकारियों को पारिश्रमिक के रूप में बहुत कम धनराशि का भुगतान करते हैं – जो कि 5,000 रुपये से 10,000 रुपये तक प्रति माह है। "समय-समय पर उनकी संस्थाओं की बिक्री के प्रदर्शन के साथ उनके वेतन/ पारिश्रमिक को जोड़ने की जरूरत थी। उन्होंने आगे कहा कि यह संस्थाओं को समग्र सुधार के लिए कड़ी मेहनत करने हेतु उनके मनोबल को बढाने का कार्य करेगा। अधिकांश लाभप्रदताएं बड़ी सूचियों और विविध देनदारों के रूप में अवरुद्ध हैं। अल्प पारिश्रमिक भी कार्यालय के पदाधिकारियों के लिए गैरकानूनी साधनों का उपयोग करने के तरीके खोलता है ताकि उनके घर के खर्च को पूरा करने के लिए खादी संस्थाओं से अतिरिक्त पैसा कमाया जा सके।"

इतना ही नहीं, यह कारीगरों से लेकर कार्यालय पदाधिकारियों तक को अपनी आय बढ़ाने और उन्हें रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने हेतु भी प्रोत्साहित करेगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने आगे बताया कि इस मुद्दे पर कई अवसरों पर सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्री गिरिराज सिंह के साथ विभिन्न रूपों पर चर्चा हुई थी और इसे सर्वसम्मति से खादी संस्थाओं के सचिवों और अध्यक्षों के मासिक वेतन में उचित वृद्धि करने का प्रस्ताव दिया गया था।

यह उल्लेखनीय है कि 16 दिसंबर, 2017 को राजघाट, नई दिल्ली में खादी संघ / संस्थाओं की एक बैठक में, उनके प्रतिनिधियों ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष के सुझाओं का स्वागत किया और स्वीकार किया कि अध्यक्ष का दृष्टिकोण निश्चित रूप से खादी संस्थाओं के पदाधिकारियों के मनोबल को बढ़ावा देगा और जिससे संस्थाओं के लाभप्रदता और उत्पादकता में वृद्धि होगी।

"प्रस्तावित मासिक पारिश्रमिक का भुगतान प्रति माह 15,000 रुपये से लेकर 90,000 रुपये तक है, जो कि खादी संस्थाओ के कारोबार के मुकाबले 50 लाख रुपये से 5 करोड़ रुपये से ऊपर है। कम कारोबार वाली संस्थायें अब उत्साह से दोगुना या तीन गुना जैसा कि यह सीधे उनके प्रदर्शन के समान होगा। श्री सक्सेना ने कहा, इसी तरह संघ के सदस्यों ने भी सहमति व्यक्त की कि उत्पादों में मूल्यसंवर्धन से किसी भी तरह से कीमतों को प्रभावित नहीं किया जाएगा।" इसी तरह खादी संस्थाओं के बोर्ड के सदस्यों को भी 1000 रुपये प्रति बैठक मिलेंगे, जो पहली बार शुरू हो रहा है।

यह उल्लेखनीय है कि कुल मिलाकर 2600 खादी संस्थाएं हैं, जिनमें से 1274 संस्थाओं का 50 लाख से कम और 388 संस्थाओं का लगभग 50 लाख से 1 करोड़ के बीच सालाना कारोबार है। इस नैतिकता से बढ़ते पारिश्रमिक बोनन्जा के साथ, यह सब तय है कि आने वाले वर्षों में लगभग 50 प्रतिशत संस्थाएं उच्च स्थान प्राप्त करने की कोशिश करेंगे, जोकि खादी के कारोबार को अपने आप में एक नए उच्च स्तर तक बढ़ा देंगे।

भंडारा में अपने पंख फैलता-शहद मिशन

महाराष्ट्र के भंडारा जिले स्थित विज्ञान कॉलेज, पौनी, जिला में, 17 दिसंबर, 2017 को आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने मंडलीय कार्यालय, नागपुर के माध्यम से 200 मधुमक्खी बॉक्सेस का वितरण किया।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने जैसलमेर, राजस्थान में सीमावर्ती झिंजनीलाली गांव में लुप्त होती कताई और बुनाई

गतिविधियों का पुनर्मूल्यांकन किया। उन्होंने कारीगरों को चरखों का भी वितरित किया और स्थानीय लोगों के साथ चर्चा की।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 19 दिसंबर 2017 को राजघाट में आयोग के कार्यालय में रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर में कई कर्मचारियों ने भाग लिया।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने आयोग की सदस्य (उत्तर क्षेत्र) डॉ. हिना शफी भट; विशेषज्ञ सदस्य डॉ. शीला राय के साथ राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ का दौरा किया।

18 दिसम्बर, 2017 को कोलकाता में शुरू हुए 19 दिवसीय खादी मेले का दृश्य।

जम्मू में खादी संस्थाओं द्वारा गाँवों को गोद लेने पर ज़ोर

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की माननीय सदस्या (उत्तर क्षेत्र) डॉ. हिना शफी भट के उपस्थिति में ब्लॉक मठ, जम्मू स्थित सहारन गांव को खादी संस्था द्वारा गोद लिया गया। इस दौरान आयोग के सहायक निदेशक श्री अनिल कुमार शर्मा, आयोग के क्षेत्रीय सदस्य श्री राजेश बख्शी, तवी खादी संस्थान की अध्यक्ष सीमा चौधरी, सचिव श्री गिरेश रायजादा, कार्यकारी सदस्य पूनम और सदस्य आरती भी उपस्थित थी।

इस अवसर पर डॉ. हिना ने 100 से अधिक महिला कारीगरों के साथ बातचीत की, जो खादी संस्था में पंजीकृत हैं। कारीगरों ने उन्हें प्रशिक्षण की कमी के बारे में बताया, जिस पर डॉ. हिना ने आश्वासन दिया कि उनके लिए जल्द ही प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बेरोजगारी भी एक मुद्दा है और बेरोजगारी सम्बन्धी समस्याओं का सामना करने के लिए उन्होंने, विशेष रूप से प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और खादी से सम्बंधित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला।

यह उल्लेखनीय है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए किए गए प्रयासों में सौर चरखों और करघों का वितरण और महिलाओं के लिए प्रशिक्षण भी शामिल हैं। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के एक सर्वेक्षण में बताया गया कि आयोग द्वारा स्थायी रोजगार का सृजन किया गया है।

विगत वर्ष में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने रोजगार के व्यापक अवसरों का सृजन किया है।

इस अवसर पर 20 नए मॉडल चरखे (कताई चरखे) और पांच करघे वितरित किये गए हैं। इस बीच आयोग के सह निदेशक प्रभारी, श्री अनिल कुमार शर्मा ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा शुरू किये गये हनी मिशन के बारे में जानकारी प्रदान की।

श्री अनिल कुमार ने यह भी बताया कि यह गांव शहद वनस्पतियों और जीवों के लिए समृद्ध है, जिसके लिए उक्त गांव के लोगों के कल्याण के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

डॉ. हिना ने संबंधित गांवों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एक चिकित्सा शिविर चलाने के निर्देश दिए।

डा. हिना ने कारीगरों को संबोधित करते हुए 9 वीं से 12 वीं कक्षा के विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता के तहत उन्हें वजीफा प्रदान करने पर जोर दिया।

आयोग की सदस्य(उत्तर क्षेत्र) डॉ. हिना शफी भट ने नगरोटा केंद्र का दौरा किया, जहाँ उन्होंने केंद्र द्वारा संचालित की जा रही गतिविधियों की समीक्षा की।

स्वच्छता अभियान में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित

आयोग के सदस्य(दक्षिण क्षेत्र) श्री जी. चंद्रमौली ने आयोग के चेन्नई स्थित केन्द्रीय ताड़ गुड एवं ताड़ उत्पाद प्रशिक्षण संस्थान में संचालित किये जा रहे ताड़ के पत्तों से ताड़ उत्पाद बनाने के प्रशिक्षण कार्यक्रम को देखा।

केन्द्रीय ताड़ गुड एवं ताड़ उत्पाद प्रशिक्षण संस्थान, चेन्नई में आयोजित स्वच्छ भारत अभियान समारोह में भागार्थियों को संबोधित करते हुए आयोग के सदस्य(दक्षिण क्षेत्र) श्री जी. चंद्रमौली।

चेन्नई स्थित आयोग के केन्द्रीय ताड़ गुड एवं ताड़ उत्पाद प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित स्वच्छ भारत अभियान में स्टैला मैरीस कॉलेज, चेन्नई के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

श्री जी. चंद्रमौली ने अपने भ्रमण के दौरान केन्द्रीय ताड़ गुड एवं ताड़ उत्पाद प्रशिक्षण संस्थान परिसर में वृक्षारोपण रोपड़ भी किया।

खादी पंचायत

आयोग के सदस्य(दक्षिण क्षेत्र) श्री जी. चंद्रमौली ने 24 दिसंबर, 2017 को कन्नूर, कोझीकोड और हुबली में खादी पंचायत में भाग लिया।

आयोग के राज्य कार्यालय, शिमला में हिंदी पखवाड़ा आयोजित

आयोग के राज्य कार्यालय, शिमला में 15 सितंबर से 2017 से 30 सितंबर, 2017 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में राज्य कार्यालय के उप निदेशक प्रभारी श्री मांगे राम ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये।

देहरादून में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून में भी 14 दिसंबर, 2017 को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। राज्य कार्यालय के उप निदेशक प्रभारी श्री यशपाल सिंह ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में डॉ. बी. आर. अंबेडकर की पुण्यतिथि मनायी गयी

आयोग के केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में 6 दिसम्बर, 2017 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 62वीं पुण्यतिथि मनायी गई, जहाँ आयोग के सभी आधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबासाहेब को नमन कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय समन्वय समिति की तीसरी बैठक

राष्ट्रीय समन्वय समिति की तीसरी बैठक 14 दिसंबर, 2017 को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट, मुंबई में संपन्न हुई । बैठक में 30 सदस्यों ने भाग लिया । इसके अतिरिक्त बैठक में खादी कमिशन कर्मचारी यूनियन और अधिकारी संघ से अधिकारी और पदाधिकारी विशेष के रूप में उपस्थित थे । इस बैठक में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के.एस. राव और श्री वाई.के.बारामतिकर ने भी भाग लिया ।

एआईकेपीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री के.के. गुप्ता ने आयोग के नामांकित उम्मीदवार सेवानिवृत्त संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी/उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (मुंबई से समिति के सदस्य) के साथ-साथ राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और वर्धा के राज्य इकाइयों के अलावा अन्य विशेष आमंत्रित सदस्यों का स्वागत किया।

एआईकेपीडब्ल्यूए के अध्यक्ष ने प्रतिभागियों को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पेंशनरों / परिवारिक पेंशनरों को 7वें वेतन आयोग का लाभ मिलने और उनको समूह स्वास्थ्य बीमा में शामिल करने एवं एसोसिएशन में आयोग से सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवाओं को शामिल करने सम्बन्धी आदि मुद्दों पर संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रशासन) श्री के.एस. राव ने विबिन्न मुद्दों के बारे में सूचित किया कि (ए) जानकारी के अनुसार, 7वें वेतन आयोग की फाइल को वित्त मंत्रालय जाना है। वह और साथ ही प्रशासन निदेशालय जल्दी ही मंजूरी के लिए इस मामले का अवलोकन कर रहा है। (बी) टीए एडवांस और स्थानीय आतिथ्य की अनुपलब्धता के कारण सेवानिवृत्त अधिकारियों के सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में श्री विजय कुमार ने सीबीआई अदालतों में सीबीआई मामलों में अभियोजन पक्ष के साक्षी के रूप में व्यक्तिगत उपस्थिति के बारे में बताया, उन्होंने बताया कि वह इस मामले की जांच करें और कठिनाई को कम करने की कोशिश करें। (सी) पेंशनरों की व्यक्तिगत शिकायतों के मुद्दे पर उन्होंने सुझाव दिया कि एसोसिएशन ऐसे सभी मुद्दों को संकलित कर सकता है और समयबद्ध तरीके से इन सभी मुद्दों का त्वरित निपटान के लिए एक कठोर प्रस्ताव के रूप में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है । उन्होंने यह भी बताया कि पेंशनरों के मुद्दों के लिए उपस्थित रहने हेतु एक अधिकारी को "नोडल अधिकारी" के रूप में नामांकित करने का प्रस्ताव है । (डी) कार्यरत्त (प्रशासन) द्वारा इन मुद्दों का निपटान करने के बारे में उन्होंने बताया कि सेवानिवृत कर्मचारियों को इसके लिए

उनको पारिश्रमिक प्रदान करने का मुद्दा जांच के अधीन है और जिसमें अधिकारियों के मामले में **20,000 /-** से **40,000 / -** रुपये तक की वृद्धि की संभावना है । अधिकारियों और निदेशकों के लिए **40,000 / -** रुपये और इससे निचले पद (पूर्व सेवानिवृत्ति)के लिए **20,000/-** रुपये विचाराधीन है।

उप**.**मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पीएमईजीपी / ग्रामोद्योग/ प.क्षेत्र) श्री वाई.के. बारामतीकर ने बताया कि वे, सातवे वेतन आयोग के मामले में नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

अखिल भारतीय पेंशन कल्याण संघ (एआईकेपीडब्ल्यूए) के सचिव ने चर्चा करते हुए कहा कि संघ पहले से ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग विनियमों में संशोधन के माध्यम से कर्मचारियों को सेवा के साथ सी.एस.व एमए के तहत पेंशनरों / परिवार पेंशनरों को शामिल करने सम्बन्धी मामलों पर ध्यान दे रहा है और ट्रेजरी के माध्यम से पेंशन का भुगतान भी कराता है। पेंशन भुगतान / संशोधन में होने वाली कठिनाइयों को कम करने, पेंशनर्स एसोसिएशन के राज्य स्तरीय इकाइयों के दिन-प्रतिदिन कार्य करने हेतु उन्होंने सहयोग में विस्तार करने का आयोग से पुनः अनुरोध किया।

बैठक, 7वें वेतन आयोग के अनुपालन के साथ संपन्न हुई, सीएसएमए के तहत पेंशनधारकों/परिवारिक पेंशनधारकों के लिए चिकित्सा सहायता देने और जिसे सेवा में कार्यरत्त कर्मचारियों के समतुल्य बढ़ाए जाने चाहिए, सभी पेंशनधारकों/ परिवार पेंशनधारकों के व्यक्तिगत रिकॉर्ड / फाइलों को जितनी जल्दी हो सके डिजिटलीकरण करना और प्रत्येक पेंशनधारकों/ परिवारिक पेंशनधारकों जितनी जल्दी हो सके सर्विस बुक की प्रमाणित प्रतिलिपि प्रदान करें, जो कि अब रु. 500 / - के अनुज्ञेय शुल्क के भुगतान पर उपलब्ध हैं।

सामाजिक कल्याणकारी उद्देश्यों के लिए सक्षम सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्बन्ध में चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि पेंशनरों/परिवारिक के पेंशनधारकों की विशेषज्ञता का अर्थपूर्ण रूप से उपयोग करने के लिए एक अलग स्वतंत्र गैर-सरकारी संगठन तैयार किया जाना चाहिए।

वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी-श्री के. डी. कांबले, श्री एन. एन. लालदास, श्री एस.विजय कुमार, श्री वी.पी. आर्य, राजस्थान इकाई के अध्यक्ष, श्री जे.एल. चौधरी, श्री एन.के. रॉय, श्री एस.के. सिन्हा, श्री पी.एम. शिवलकर, श्रीमती गीतांजलि, श्री समीर कुमार के अलावा श्री प्रमोद शेट्टी, श्री चंद्रहास**,** सयुक्त सचिव**,** अधिकारी एसोसिएशन ने भी भाग लिया और बैठक में अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियाँ.........

प्रेस कवरेज

KVIC ORGANISED "CLEANLINESS DRIVE" IN ASSOCIATION WITH MCGM

Mumbai. Khadi and Village Industries Commission (KVIC) observed "Swachhta Pakhwada from 01.12.2017 to 15.12.2017, and organised a "Cleanliness Drive" in association with Municipal Corporation of Greater Mumbai(MCGM), in front of Vile Parle(W) Market near railway station on Friday. This campaign of KVIC aimed to clean up the streets, roads of this city, create awareness among employees as well as common people. Good number of officers and staff of KVIC with MCGM staff participated in this "Cleanliness Drive". All staff of KVIC picked up brooms to clean up the litter left on the streets. Earlier, KVIC has taken various initiatives like organising workshops during this fortnight of "Cleanliness Drive", in its Central & State offices across the country. The Swachh Bharat Abhiyan is a massive movement that seeks to create a Clean India and this is the most significant cleanliness campaign by the Government of India.

Jammu Links News
24 Dec at 11:45pm

Member (NZ), KVIC, Dr. Hina Shafi Bhat today convened a meeting with the officers of Khadi & Village Industries Commission (KVIC) and reviewed various programmes including Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) of KVIC of Jammu Region of the State. She also visited State Office KVIC and took stock of its functioning.

Hina reviews KVIC Programmes at Jammu - Jammu Links News
jammulinksnews.com

Like Comment Share

102

dailykashmirimages.com/Details/h

Hina reviews KVIC Programmes at Jammu

Published on December 25, 2017

JAMMU, DECEMBER 24: Member (NZ), KVIC, Dr. Hina Shafi Bhat today convened a meeting with the officers of Khadi & Village Industries Commission (KVIC) and reviewed various programmes including Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) of KVIC of Jammu Region of the State. She also visited State Office KVIC and took stock of its functioning.

State Director Vinay Kumar gave detailed

प्रेस कवरेज

MUMBAI IS TALKING A

Making khadi contemporary and fashionable

Models in outfits by Rajesh Pratap Singh

(Sitting L-R) David Abraham, Prasad Bidapa, Bibi Russell, Ram Kishore Derewala and Hemant Trevedi

Models showcasing Bibi Russell ensembles

A model in a Hemant Trevedi outfit

Khadi took a dazzling bow at Rajasthan Heritage Week 2017 as some of the country's top designers showcased their collections using the heritage fabrics of Rajasthan. Black and white ruled as designers sent out monochromatic ensembles. From Abraham & Thakore's minimalism to Rajesh Pratap Singh's layered luxury; from Bibi Russell's sharply etched graphics to the purity of Hemant Trevedi's Gandhian collection, the absence of colour highlighted the fine textures of this wondrous fabric. However, many collections were a carnival of colours as well, unrestrained exuberance inspired by the shocking bursts of colour found only in Rajasthan.

Prasad Bidapa curated this third edition of RHW to perfection and Chief Minister of Rajasthan, Vasundhara Raje lauded the initiative of the heritage week and the great strides it has made in popularising the fabric of freedom, making it contemporary and fashionable again.

Apart from 18 National Awardee artisans showcasing their solo collections on the runway, it also witnessed international designers coming in from Uzbekistan — Madina Kasimbaeva and Sri Lanka — Darshi Keerthisena and Ajai Vir Singh and for the first time from Bhutan, Khendum and Chuni Dorji. With a grand finale by Rohit Bal, Jaipur witnessed the new face of khadi, bringing a fresh vibrancy and modernity to our not so humble fabric of freedom. The objective was to create an ongoing partnership between 29 designers and 18 master weavers craftsmen, which will help create new directions and designs in both Kota Doria as well as all varieties of khadi in cotton, silk and wool.

Over 80 stalls were created to showcase the beautiful products of Handmade In Rajasthan. Textiles and crafts by national and state award winning artisans were on display and sale. This was a unique opportunity for the artisans to connect directly with customers and cut out the ubiquitous middleman. Lecture demonstrations were held each day by various experts in textiles and crafts. Live artisans displayed the craft of Ajrakh, block printing, Kota Doria, khadi spinning and weaving, indigo dyeing and printing and others, enabling students and the general public to learn first-hand from the experts.

बोरीवली में खादी उत्पादों की प्रदर्शनी

सक्सेना ने किया उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. बोरीवली के सी.बी.कोरा केंद्र में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 15 दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया है. जिसका उद्घाटन आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने किया. सक्सेना ने कहा कि कारीगरों को अपने उत्पादों की बिक्री करने के लिए प्रदर्शनी एक ठोस मंच है, यह न केवल कारीगरों को आत्म निर्भर बनाता है बल्कि उत्पादों के लिए छवि निर्माण करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाता है.

उन्होंने कहा कि गांधीजी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो खादी और कारीगरों के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं. केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीता वर्मा ने कहा कि विगत दो वर्षों में आयोग ने मार्केटिंग और ब्रांडिंग के क्षेत्र में बहुत सराहनीय काम किया है और अब इसके प्रदर्शन करने का समय है. महाराष्ट्र और जम्मू और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से लगभग 75 संस्थाओं ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया है. प्रदर्शनी में चर्म, बेंत और बांस के विभिन्न सामग्रियां तथा सूखे मेवे, फल, आयुर्वेदिक ओषधियाँ और सजावटी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई है.

केवीआईसी द्वारा एमसीजीएम के सहयोग से स्वच्छता अभियान का आयोजन

मुंबई, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशों का अनुसरण करते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने १दिसंबर से 15 दिसंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया और इस अभियान के तहत 15 दिसंबर को आयोग ने ग्रेटर मुंबई (एमसीजीएम) के सहयोग से विलेपार्ले (प.) रेलवे स्टेशन के सामने बाज़ार सड़क पर एक सफाई अभियान का आयोजन किया। केवीआईसी के इस अभियान का अन्य शहर की सड़क गिलयारों को साफ करना तथा कर्मचारी और आम लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना है। ग्रेटर मुंबई (एमसीजीएम) के सफाई कर्मियों के साथ केवीआईसी के बड़ी संख्या में अधिकार और कर्मचारियों में इस सफाई अभियान में भाग लिया। केवीआईसी के सभी कर्मचारी सड़क पर झाड़ू लेकर कचरे को साफ़कर रहे थे । इससे पहले, केवीआईसी ने पूरे देश में अपने केंद्रीय और राज्य कार्यालयों में इस पखवाड़े के दौरान कार्यशाला सहित स्वच्छता अभियान को संगठित करने के लिए कई पहल की है । स्वच्छ भारत अभियान एक विशाल आंदोलन है जो स्वच्छ भारत बनाने की कोशिश करता है और यह भारत सरकार दारा चलाया गया सबसे महत्वपूर्ण सफाई अभियान है।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रेस कवरेज

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मुंबई के बोरीवली स्थित सी.बी.कोरा केंद्र संस्थान में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की 15 दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन आयोग के अध्यक्ष विनयकुमार सक्सेना ने किया। इस प्रर्दशनी में 75 संस्थाओं ने भाग लिया।

विदेशों तक छा रही खादी, लौटाएंगे इस फैशन का पुराना रुतबा : सक्सेना

खादी मेले की शुरुआत

उदयपुर . मेले का फीता काट कर शुभारंभ करते आयोग के अध्यक्ष सक्सेना।

उदयपुर | शहर के टाउनहॉल में शनिवार से 15 दिवसीय खादी मेला शुरू हुआ। खादी निर्मित ऊनी, सूती वस्त्रों के अलावा चमड़े की वस्तुएं और ड्राय-फ्रूट निर्मित मिष्ठान ग्राहकों को लुभाएंगे। नगर निगम भवन के पीछे यह खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसका शनिवार को केंद्रीय खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनयकुमार सक्सेना ने उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि उत्तर भारत खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की सदस्य हीना बट्ट थीं। इस दौरान सक्सेना ने कहा कि पिछले सालों में खादी को फैशन के रूप में अपनाया गया है। खादी निर्माता से अपनी पुरानी प्रतिष्ठा व सम्मान वापस लौटाना चाहते हैं, जो एक समय इस फैब्रिक को हासिल था। सक्सेना ने कहा कि 29 सालों से प्रतिवर्ष यह प्रदर्शनी लग रही है। हर साल खादी की बिक्री से प्राप्त होने वाली आय में इजाफा हो रहा है। नए जमाने के युवक-युवतियां प्रिंटेड व कलरफुल खादी के कपड़े शौक से पहन रहे हैं, जो फैशन बनता जा रहा है।

जानी-मानी कंपनियां खरीद रही : सक्सेना ने बताया कि देश की जानी-मानी कपड़ा मिलें खादी खरीद कर अपनी ब्रांडिंग कर रही हैं। रेमंड्स ने 1 लाख 82 हजार मीटर खादी हमसे खरीदी। दिग्जाम, विमल और कई कंपनियां खादी डिमांड कर रही हैं।

वस्तुओं पर दे रहे छूट

मेला संयोजक बनवारीलाल गौड़ ने बताया कि कश्मीरी वस्तुएं पहली बार इस मेले शामिल की गई है। दैनिक उपयोग के कई वस्त्रों के मूल्य में रियायत दी गई है। जिला उद्योग के संभाग अधिकारी प्रकाश गौड़ ने बताया कि राज्य सरकार विभिन्न प्रकार के खादी उत्पादों में सूती खादी पर 25 प्रतिशत, ऊनी खादी व कंबल पर 25 %, पॉलिस्टर खादी पर 20 प्रतिशत, रेशमी खादी पर 20% छूट दे रही है।

उदयपुर. रविवार 10.12.2017 | sunday सिटीजन | 07 | राजस्थान प[त्रिका] rajasthanp[atrika]

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का आगाज

नए अंदाज और बड़ी रेंज में सबको लुभाने आए खादी के उत्पाद

कई खादी उत्पदों पर मिलेगी छूट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

दयपुर. केन्द्र सरकार खादी को बढ़ावा देने के साथ हथकरघा कामगारों को रोजगार उपलब्ध कराने के प्रति निरंतर सचेष्ट है। सी कड़ी में देश के कई राज्यों समय-समय र खादी दर्शनियां लगाई जाती है। कसिटी में 29 वर्ष से निरंतर ग रही प्रदर्शनी से खादी को काफी बढ़ावा मिला है। गत वर्ष दर्शनी सेल में 1 करोड़ 27 लाख की बिक्री से इस बार यह आंकड़ा 2 करोड़ रुपए पार होने की उम्मीद है। क्योंकि नए अंदाज और बड़ी रेंज में खादी व ग्रामोद्योग उत्पाद लाए गए हैं।

यह बात खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, मुंबई के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को टाउन हॉल प्रांगण में 15 दिवसीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर कही। खादी में सूति-शर्टिंग, दरी, सलवार सूट के अलावा ऊनी खादी में शॉल, कार्डिगन और देशी कंबल सहित लेदर के सामान, मसाले, आदि की सौ से अधिक स्टॉल्स लगाई गई है। जिला उद्योग के संभाग अधिकारी और प्रदर्शनी संयोजक प्रकाशचंद्र गौड़ ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से विभिन्न प्रकार के खादी उत्पादों में सूती व ऊनी खादी पर 25 प्रतिशत तथा पोलिस्टर और रेशमी खादी पर 20 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

टाउन हॉल में खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन करते अतिथि। पत्रिका

आमजन की पसंद बनी खादी

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष विनय सक्सेना ने कहा कि राजस्थान में कई क्षेत्रों का दौरा करने के बाद खादी आयोग को दी रिपोर्ट के आधार पर शीघ्र ही जैसलमेर और जयपुर के शिवदासपुरा में बंद खादी केन्द्रों का पुनरुद्धार कर हजारों लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सकेगा। इसके अलावा कई कॉर्पोरेट कंपनीज से संपर्क साधकर सतत् सेल बढ़ाने का प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि पहले खादी वरिष्ठजनों की पसंद रही, लेकिन अब स्थिति बदली है। गांवों से लेकर शहरों तक, किशोर से लेकर बुजुर्ग तक एवं निम्न से लेकर उच्च वर्ग तक इसे खुशी से स्वीकार करने लगे है। स्कूल-कॉलेजों, वैवाहिक अवसरों, फैशन परेड तक में खादी के पहनावे को अलग मान देना इसकी लोकप्रियता का परिचायक है।देश भर में खादी ग्रामोद्योग की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर हुई है मगर कर्नाटक, गुजरात, उत्तरप्रदेश, केरल, असम और बंगाल खादी और सिल्क खादी में नए कीर्तिमान कायम कर रहे हैं। विदेशों में भी भारतीय खादी की मांग में इजाफा हुआ है। जीएसटी के मसले पर वे बोले कि फेब्रिक इसके दायरे से बाहर है लेकिन टेक्सटाइल पर जीएसटी लगता है। हालांकि, नीतिगत फैसले सरकारों पर निर्भर होते हैं मगर इसमें संशोधन के लिए हमारे प्रयास जारी हैं।

पहली बार कश्मीरी इकाई भी

इस बार मेले में कश्मीरी इकाइयां वहां के प्रसिद्ध लेदर और ड्राइफ्रूट्स जैसे विश्व प्रसिद्ध उत्पादों के साथ शामिल हुई हैं, जो मेले का आकर्षण रहेंगी। उद्घाटन अवसर पर उत्तरी क्षेत्र खादी ग्रामोद्योग आयोग, मुंबई की सदस्य डॉ. हिना बट्ट, यूआईटी चेयरमैन रविन्द्र श्रीमाली, जोनल कमेटी के सदस्य राजेन्द्र अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे।

प्रेस कवरेज

www.scoopnews.in/det.aspx?q=73

Monday, December 25, 2017

Scoop News

The Most Authentic & Accurate Online News Source on Jammu, Kashmir & Ladakh

www.scoopnews.in

Top Stories | Jammu News | Kashmir News | Ladakh News | Special Stories | Articles | Letters | Other Stories

BREAKING NEWS: Govt working on various fronts to bring sustainable peace, prosperity to JK: Abdul Haq

News Details

Hina reviews KVIC programmes at Jammu

Jammu, December 24, (Scoop News)-Dr. Hina Shafi Bhat, Member (NZ), KVIC reviewed various programmes including Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) of Khadi & Village Industries Commission of Jammu Region of the State.

At first Hina visited State Office KVIC and reviewed work of office. During the review State Director KVIC Vinay Kumar alongwith other officers and officials were present. State Director gave detailed report to Hon'ble Member. Hina on spot instructed State Director to expedite the work of PMEGP and Khadi in Jammu region as per the set norms of Commission.

Pertinently, last month Hon'ble Member (NZ) reviewed PMEGP in Kashmir Valley in which Director Industries & Commerce Srinagar, vice president SLBC, Dy. CEO, KVIB Kashmir region and Anil Kumar Sharma Assistant Director, KVIC Incharge Kashmir region, lead district managers, general managers, DIC, district officers KVIB, Director RSETI's, district cordinators KVIC of Kashmir region were present during the meeting.

Hon'ble Member held meeting with the Secretaries of Khadi Institutions of Jammu Region. Hina emphasized on increasing the production. Secretaries of Institutions raised various problems for which Hina assured that every problem will be solved as per the set norms of KVIC.

Hon'ble Member also visited Production Centre of Gandhi Sewa Sadan, situated at Jakh nearly 22 Kms away from Jammu. During the visit Hon'ble Member interacted with the trainees of Cutting and Tailoring/ Fashion Designing and Computer Training Course at the Centre. Hon'ble Member also inspected Oil extraction progamme at the Centre. Besides, Member visited Bhawan of the Centre and emphasized on the renovation and Display of the Products at the Bhawan so that more people can be attracted towards Khadi.

Hon'be Member also interacted with the Secretary of Institution Shri Pathania and Incharge Centre Shri Dixit.

During the Visit State Director Shri Vinay Kumar, Assistant Director Shri Anil Kumar Sharma, Shri Rajesh Bakhshi Member Zonal Committee and other officials were also present.

Share this Story

---

dailykashmirimages.com/Details/h

State Director Vinay Kumar gave detailed report to Member. Hina on spot instructed State Director to expedite the work of PMEGP and Khadi in Jammu region as per the set norms of Commission.

The Member held meeting with the Secretaries of Khadi Institutions of Jammu Region. Hina emphasized on increasing the production. Secretaries of Institutions raised various problems for which Hina assured that every problem will be solved as per the set norms of KVIC.

The Member also visited Production Centre of Gandhi Sewa Sadan, situated at Jakh nearly 22 Kms away from Jammu and interacted with the trainees of Cutting, Tailoring, Fashion Designing and Computer Training Course at the Centre.

She also inspected Oil extraction progamme at the Centre besides she visited Bhawan of the Centre and emphasized on the renovation and Display of the Products at the Bhawan so that more people can be attracted towards Khadi.

The Member also interacted with the Secretary of Institution Pathania and Incharge Centre Dixit.

---

www.journeyline.in/news.aspx?q=L

Ayushi, and Akanksha Sharma attended One Week GIAN Course on 'Languages Endangerment and Allied Topics" organized by the Department of Linguistics, Aligarh Muslim University, Aligarh from 18th -24th December 2017. During the GIAN Course, World renowned linguists Prof. Nicholas Ostler, Chair, Foundation for Endangered Langua ges, Prof. Panchanan Mohanty, Chair, Linguistic Society of India, and Padmashree Awardee Prof. Anvita Abbi, (Re...

Hina reviews KVIC programmes

25/12/2017

Jammu, Dec 24: Dr. Hina Shafi Bhat, Member (NZ), KVIC reviewed various programmes including Prime Minister's Employ ment Generation Programme (PMEGP) of Khadi & Village Industries Commission of Jammu Region of the State. At first Hina visited State Office KVIC and reviewed work of office. During the review State Director KVIC Vinay Kumar alongwith other officers and officials were present. State Director gave detailed report to Member. Hina on spot instructed State Director to expedite the wo...

प्रेस कवरेज

गांडीव

(वाराणसी) शनिवार, 16 दिसम्बर, 2017 2

खादी आयोग के पेंशन धारकों को 7वें के.वे.आ. का लाभ दिये जाने हेतु मांग

वाराणसी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमति प्रीता वर्मा, आईपीएस के वाराणसी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान 14 दिसम्बर को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सेवा निवृत्त पेंशन धारकों का एक प्रतिनिधि मंडल उनसे मिलकर एक ज्ञापन दिया, जिसमें उन्होंने 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग की संस्तुतियों के आधार पर पेंशन निर्धारण अब तक लागू नहीं किये जाने का विषय प्रस्तुत किया। पेंशन धारकों का आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी के समक्ष यही फरियाद थी कि एक लम्बी अवधि के पश्चात् भी उन्हें अपेक्षित लाभ न दिया जाना उनके साथ अन्याय है और इसका निस्तारण यथाशीघ्र करने का प्रयास हो। मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने पेंशन धारकों से ज्ञापन लेते हुये और उनकी मांगों के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुये यथाशीघ्र अपेक्षित लाभ दिलाये जाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में खा.ग्र.आ. पेंशनर्स कल्याण समिति, वाराणसी के संस्थापक संरक्षक देवनाथ सिंह, सचिव एम.एल. श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव पी.के. दत्ता, महेन्द्र सिंह, कैलाश सिंह, के.एन. सिंह, कामेश्वर सिंह आदि सेवानिवृत्त पेंशनर्स मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.co

वाराणसी | शुक्रवार • 15 दिसम्बर • 2017

पेंशन धारकों ने ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

वाराणसी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने तेलियाबाग स्थित खादी ग्रामोद्योग आयोग के कार्यालय पहुंची। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग पेंशनर्स कल्याण समिति का प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर पत्रक सौंपा। पत्रक में 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग की संस्तुतियों के आधार पर पेंशन निर्धारण अब तक लागू नहीं किए जाने से अवगत कराया। उनका कहना था कि लंबी अवधि के पश्चात भी उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं दिया जा रहा है। उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। इसका निस्तारण यथाशीघ्र किया जाए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने पेंशन धारकों की समस्याओं को सुनने के बाद जल्द निस्तारण करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में पेंशनर्स कल्याण समिति के संस्थापक संरक्षक देवनाथ सिंह, सचिव एमएल श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव पीके दत्ता, महेन्द्र सिंह, कैलाश सिंह, केएन सिंह, कामेश्वर सिंह आदि मौजूद थे।

जनसंदेश टाइम्स

शुक्रवार, 15 दिसंबर 2017

4 वाराणसी

पेंशन धारकों ने की सातवें वेतन सेवा मांग

वाराणसी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीता वर्मा(आईपीएस) ने गुरुवार को वाराणसी कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान सेवा निवृत्त पेंशन धारकों का एक प्रतिनिधि मंडल उनसे मिलकर सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की संस्तुतियों के आधार पर पेंशन निर्धारण अब तक नही किये जाने को लेकर ज्ञापन दिया। पेंशन धारकों ने कहा कि लंबे समय से उन्हें इसका लाभ नहीं दिया जाना उनके साथ अन्याय है। इसका निस्तारण जल्द किया जाय। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जल्द ही समस्या के निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान देवनाथ सिंह, एमएल श्रीवास्तव, पीके दत्ता, महेन्द्र सिंह, कैलाश सिंह, एनके सिंह, कामेश्वर सिंह आदि लोग थे।

Khadi India

स्वस्थ जीवन का प्राकृतिक मार्ग

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056 वेबसाईट : www.kvic.org.in

भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृद्धि बुनते है